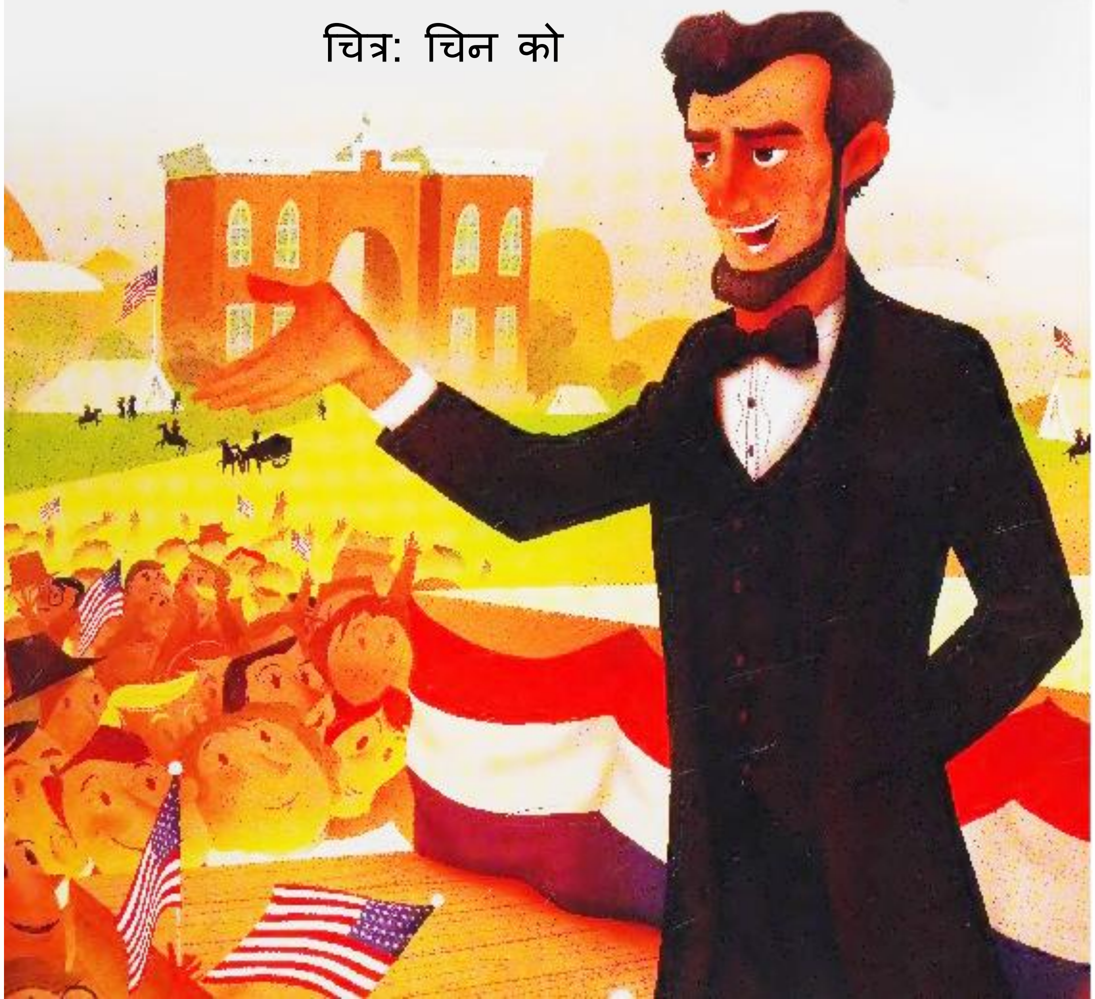
लंबे, कद्दावर
लिंकन

जेनिफर डसलिंग
चित्र: चिन को



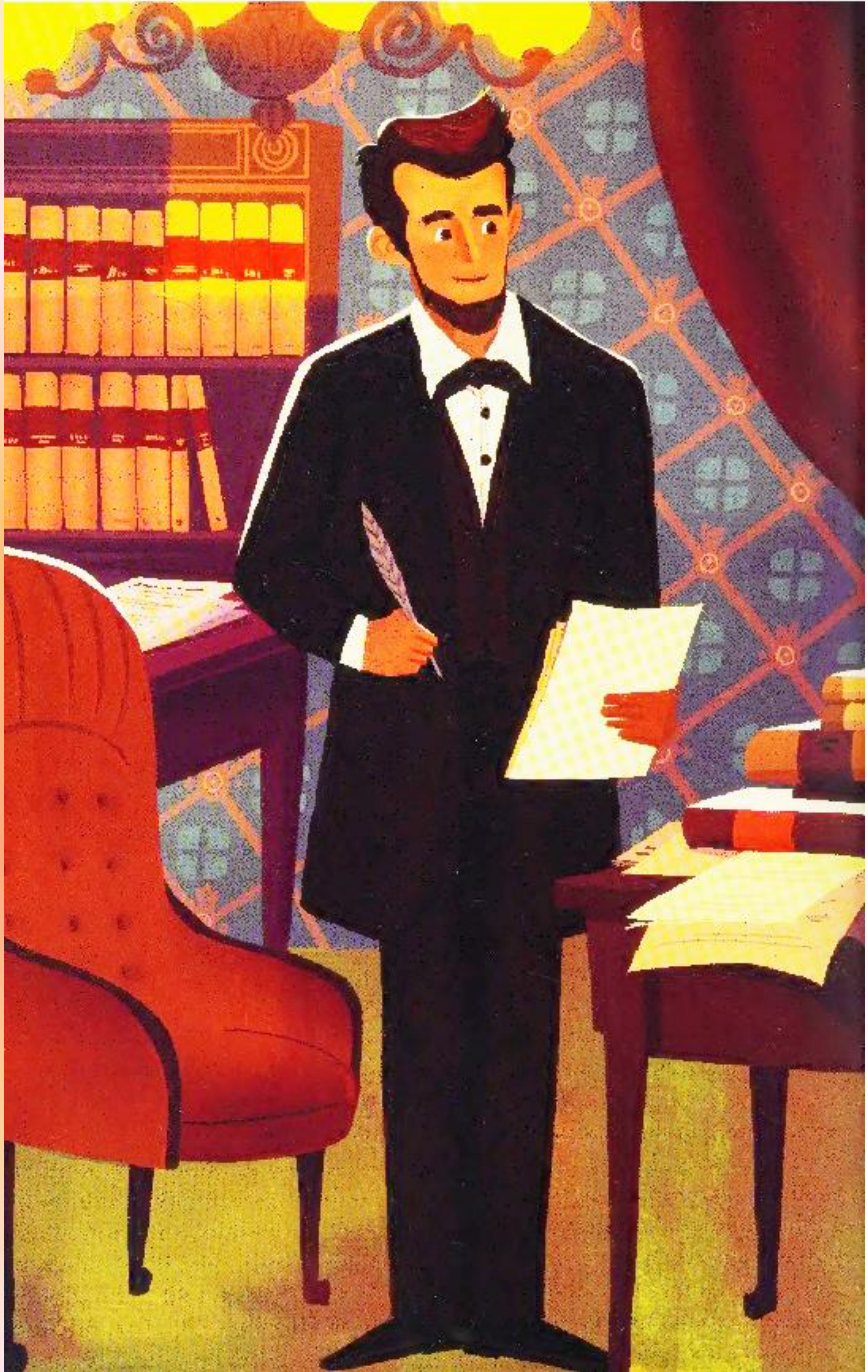


लंबे, कद्दावर लिंकन



जेनिफर डसलिंग

चित्र: चिन को



अब्राहम लिंकन ने खुद कहा था:

वो देखने में सुंदर नहीं थे.

लेकिन वो बहुत लंबे और ऊंचे थे.

उनके कान बाहर निकले हुए थे.

उनके कपड़े अक्सर झुर्रीदार होते थे,

और उनकी पैंट बहुत छोटी होती थी.

लिंकन एक राष्ट्रपति जैसे बिल्कुल नहीं दिखते थे.

वह हमेशा राष्ट्रपति जैसा व्यवहार भी नहीं करते थे.

लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था.

लिंकन ने देश के लिए उचित और सही काम किए.

ज़्यादातर राष्ट्रपति अमीर घरों में पैदा हुए थे.

लिंकन का जन्म एक लकड़ी की झोपड़ी में हुआ था.

उनका परिवार गरीब था,

और वह अक्सर स्कूल नहीं जाते थे.

क्योंकि आस-पास कोई स्कूल नहीं था.

इसके बजाय, लिंकन लकड़ी काटते थे

और फसलें उगाते थे.

लेकिन उन्हें खुद पढ़ना पसंद था.

"मैं काम के अलावा

पढ़ना, कहानियाँ सुनाना,

मज़ाक करना, बातें करना, हँसना—

आदि पसंद करता हूँ," उन्होंने कहा.



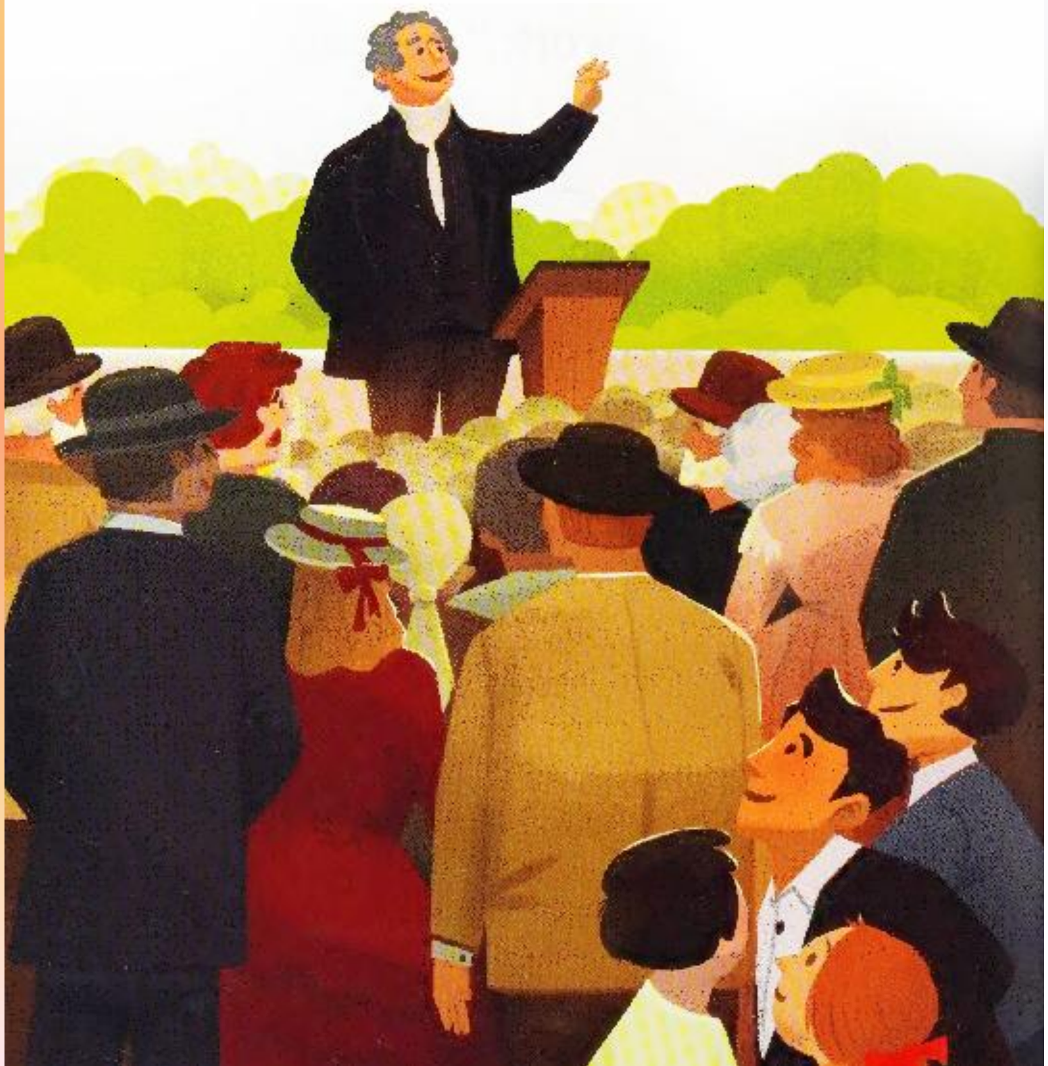
जब लिंकन छोटे थे,

तब उनके शहर में एक वक्ता आए.

उनके भाषण के बाद,

लिंकन मंच पर चढ़ गए

और उन्होंने वक्ता होने का नाटक किया.





उनके दोस्त हँसे,

लिंकन खुद भी हँसे.

लेकिन इससे उन्हें यह पता चला कि

उन्हें भाषण देना पसंद था!

जब लिंकन बड़े हुए,

तो उन्होंने कई नौकरियाँ कीं.

उन्होंने एक नाव पर काम किया.

वे एक सैनिक बने.

उन्होंने एक दुकान चलाई...

जिसका दिवालिया निकल गया.

वे बहुत ईमानदार थे.

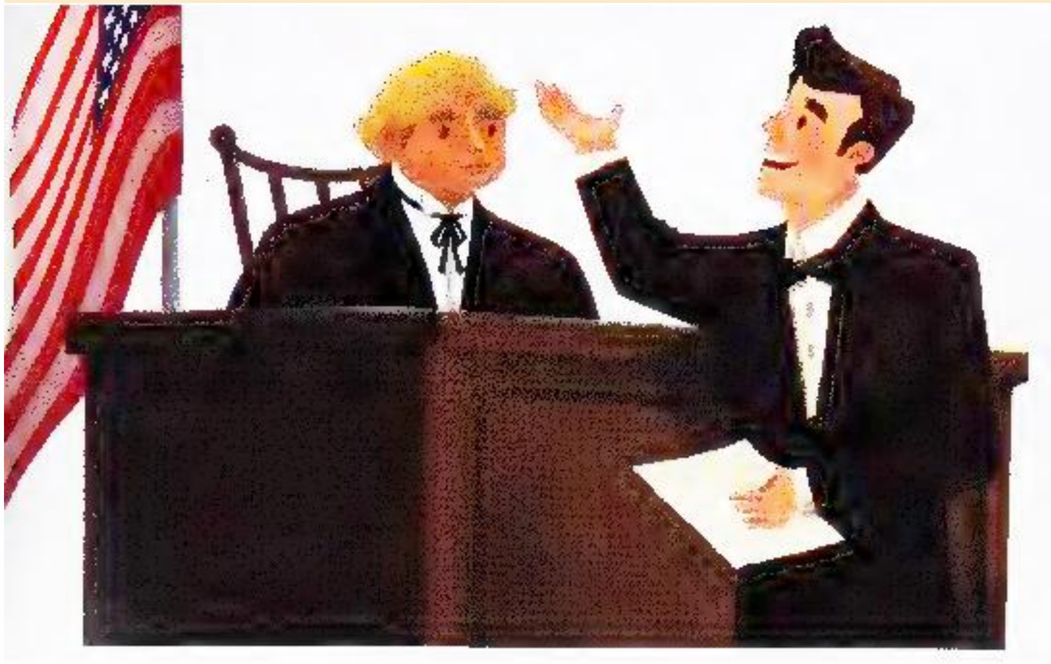
एक बार उन्होंने एक खरीदार को

कुछ पैसे लौटाने के लिए

मीलों पैदल यात्रा की.

उन्होंने उससे कुछ ज़्यादा पैसे ले लिए थे!





लिंकन ऐसे व्यक्ति नहीं लगते थे

जो एक दिन देश के राष्ट्रपति बनें.

लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत की

और वो एक वकील बने.

उन्हें लोगों की परवाह थी

और साथ में न्याय की भी.

वकील भी खूब भाषण देते थे.

लिंकन को भाषण पसंद थे.

एक रात एक नृत्य समारोह में,

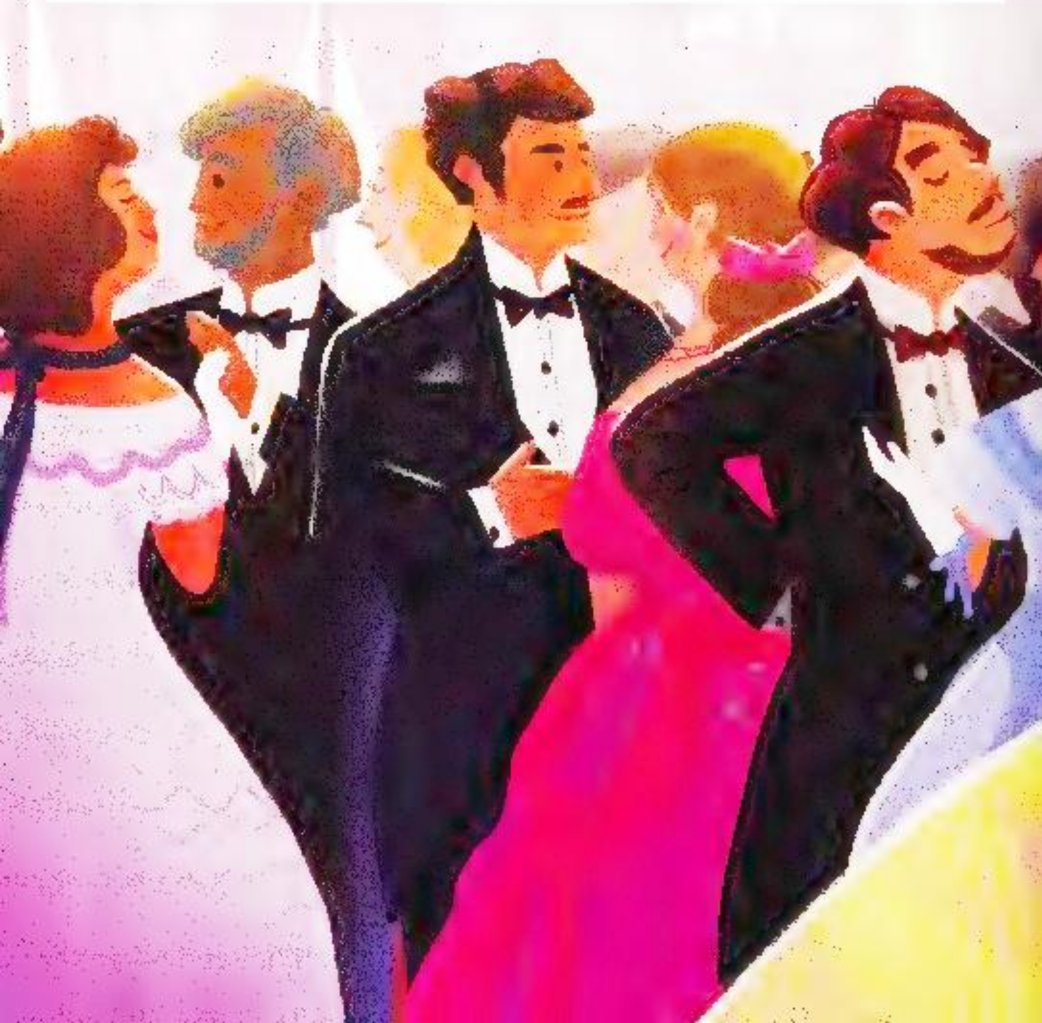
लिंकन की मुलाकात मैरी टॉड

नाम की एक महिला से हुई.

मैरी छोटी और गोल-मटोल थीं.

लिंकन लंबे और दुबले-पतले थे.

लेकिन उनकी जोड़ी अच्छी थी.

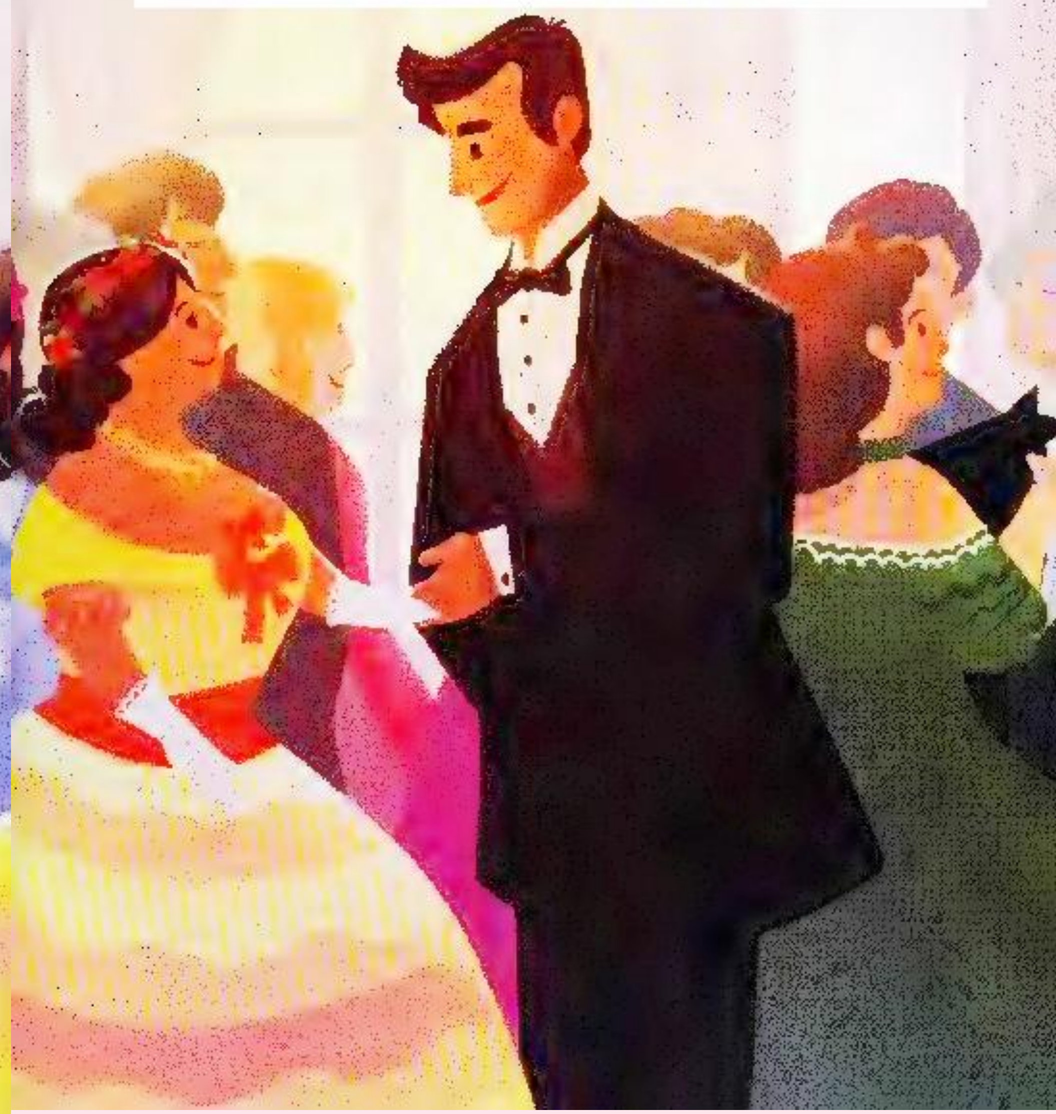


"उनका दिल उतना ही बड़ा है

जितनी उनकी भुजाएँ लंबी हैं," मैरी ने कहा.

मैरी ने लिंकन से शादी की,

और उनके चार बेटे हुए.



उस समय, दक्षिण में,

कानून के तहत गोरे लोग,

काले लोगों के मालिक हो सकते थे,

जैसे वे घर या घोड़े के मालिक होते थे.

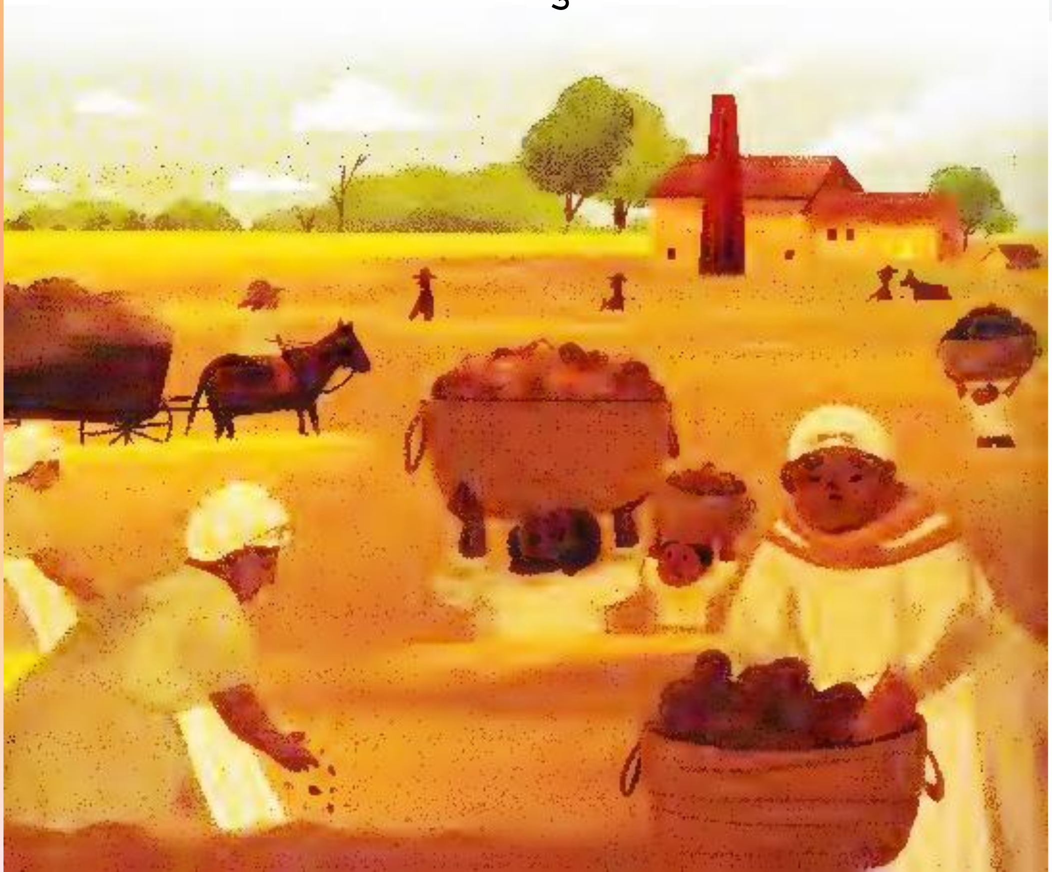
दासों को कड़ी मेहनत करने के लिए

मजबूर किया जाता था.

उन्हें कुछ भी वेतन नहीं दिया जाता था

और अक्सर उनके मालिक

उन्हें मारते और चोट पहुँचाते थे.





उत्तरी राज्य, गुलामी से छुटकारा पाना चाहते थे,

लेकिन दक्षिणी राज्य गुलामी बनाए रखना चाहते थे.

लिंकन को गुलामी पसंद नहीं थी.

"अगर गुलामी गलत नहीं है,"

उन्होंने अपने एक दोस्त को लिखा,

"तो फिर कुछ भी गलत नहीं है."

कानून बदलने के लिए,

लिंकन को सरकार में शामिल होना पड़ा.

उन्होंने कुछ चुनाव जीते.

वे कुछ चुनाव हारे भी.

लेकिन वे आगे बढ़ते रहे.

उनके भाषण बहुत अच्छे होते थे.

धीरे-धीरे लोग उन्हें जानने लगे.

आखिरकार, लिंकन ने

राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ा.

वे काफी अजीब लग रहे थे.

वे एक देहाती लड़के की तरह बात करते थे.

लेकिन लोग जानते थे कि वे ईमानदार हैं.

वे चुनाव जीत गए

और संयुक्त राज्य अमेरिका के

राष्ट्रपति बन गए!







चुनाव से पहले,

ग्यारह साल की लड़की ग्रेस ने

लिंकन को एक पत्र भेजा.

उसके मन में एक विचार आया—

लिंकन अपनी दाढ़ी बढ़ायें!

ग्रेस ने सोचा कि दाढ़ी को देख लोग

लिंकन को ज़्यादा वोट देंगे.

और उसने लिखा,

"सभी महिलाओं को मूंछें पसंद होती हैं."

लिंकन ने ग्रेस की सलाह मान ली

और दाढ़ी काटना बंद कर दी.

शपथ ग्रहण के समय तक,

उनकी दाढ़ी पूरी तरह लम्बी और काली थी.



एक महीने बाद,

अमेरिका युद्ध में उतरा,

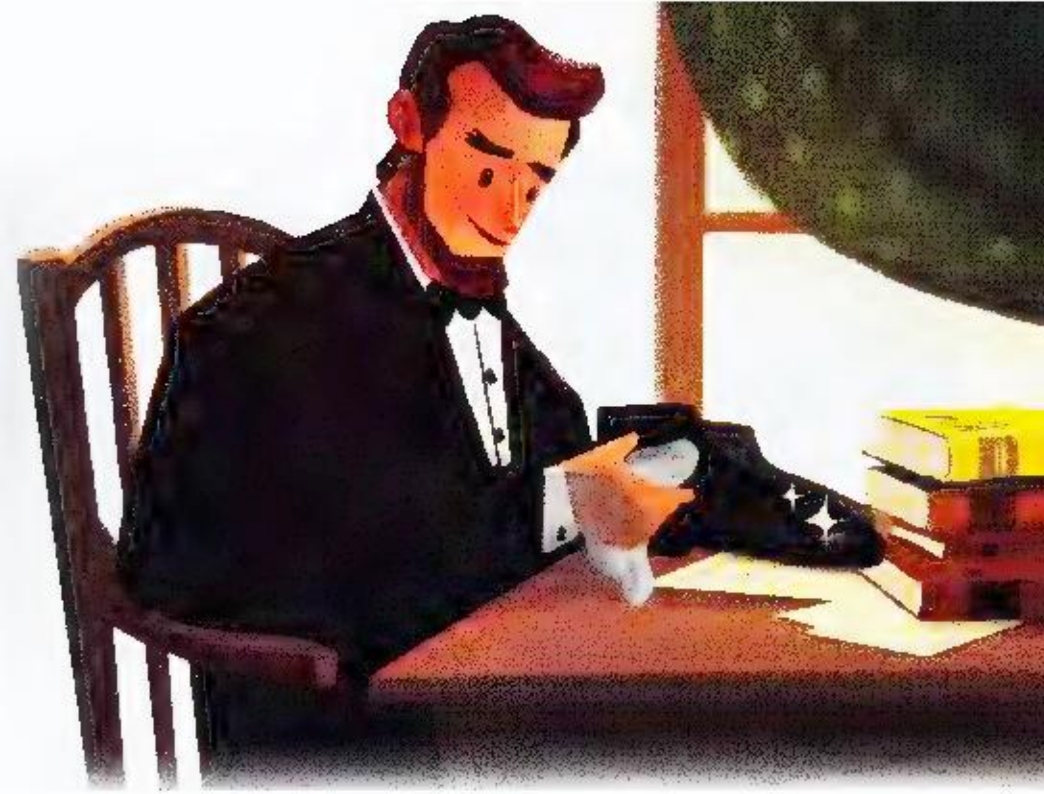
उत्तरी राज्यों का दक्षिणी राज्यों के विरुद्ध युद्ध.

उस समय राष्ट्रपति बनना एक कठिन समय था.

राष्ट्रपति के रूप में भी,

गृहयुद्ध के दौरान भी,

लिंकन ने अपनी विनम्रता बरकरार रखी.





लिंकन व्हाइट हाउस में आए मेहमानों का

"हाउडी!" कहकर स्वागत करते थे.

वे अपने जूते खुद पॉलिश करते थे

वे चुटकुलों की एक किताबें

अपनी मेज़ की दराज में रखते थे.

"अगर मैं न हँसूँ,

तो मुझे मर जाऊंगा," लिंकन ने कहा.



युद्ध चलता रहा.

1863 में, लिंकन ने एक साहसिक कदम उठाया.

उन्होंने आदेश दिया कि दक्षिणी राज्य

अपने गुलामों को आज़ाद करें.

"अगर मेरा नाम कभी इतिहास में दर्ज होगा,"

लिंकन ने कहा, "तो वह इसी काम के लिए होगा."

लिंकन राष्ट्रपति थे,

लेकिन वे हमेशा राष्ट्रपति जैसा

व्यवहार नहीं करते थे.

वे अपने बेटों से झगड़ा करते थे

और उन्हें ढेर सारे पालतू जानवर रखने देते थे—

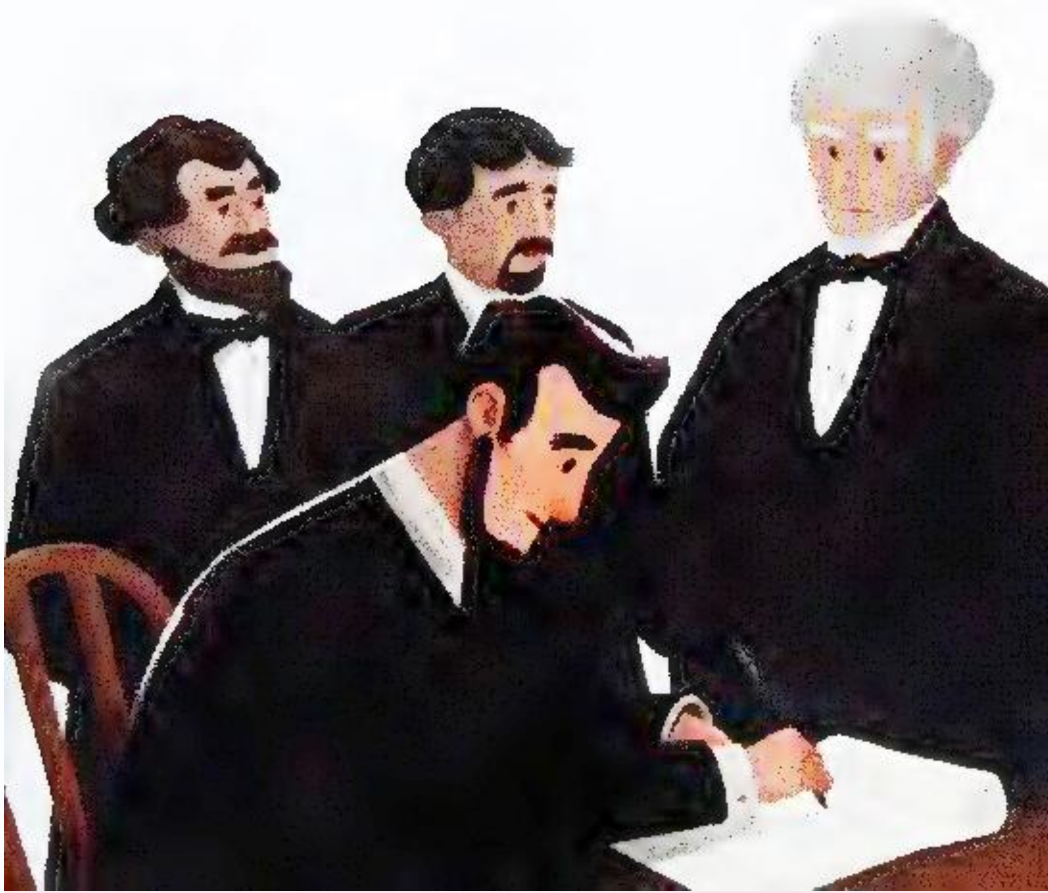
एक टट्टू, कुत्ते, यहाँ तक कि एक टर्की भी.

कभी-कभी उनके बच्चे

महत्वपूर्ण बैठकों में घुस आते थे.

दूसरे राष्ट्रपति शायद गुस्सा होते.

लेकिन लिंकन नहीं!



दक्षिण ने इस आदेश की अनदेखी की.

लेकिन फिर उत्तर के

अश्वेत लोग सेना में शामिल हो गए.

वे अपने देश और आज़ादी के लिए लड़ने को तैयार थे!





आखिरकार, चार लंबे वर्षों के बाद,

दक्षिण ने हार मान ली.

सभी गुलाम आज़ाद हो गए!

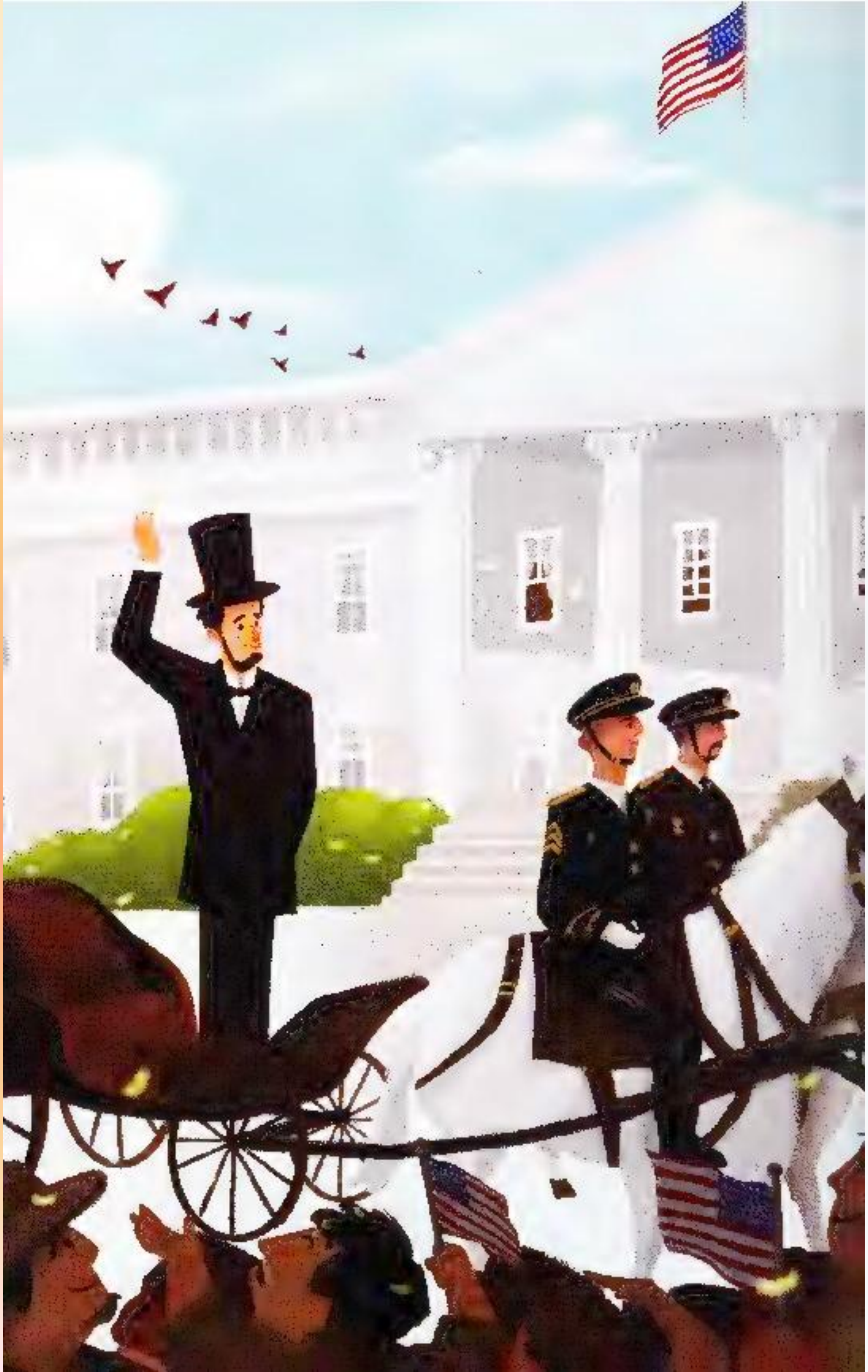
लिंकन को कोई शिकायत नहीं थी.

युद्ध समाप्त होने के अगले दिन,

उन्होंने एक बैंड से "डिक्सी" बजाने को कहा.

उन्हें पता था कि वो गाना दक्षिण के लिए

बहुत मायने रखता था.



जब लिंकन चुने गए,

तो कई लोग उनके बारे में निश्चित नहीं थे.

वह कुछ अजीब दिखते थे

और अजीब बातें करते थे.

लेकिन लोग उन्हें प्यार करने लगे.

लंबे कद के लिंकन अमेरिका के

पसंदीदा राष्ट्रपतियों में से एक बन गए.

उनके दिखने का कोई महत्व नहीं था...

लेकिन उनके व्यवहार का महत्व था.

समयरेखा

1809
लिंकन का जन्म होता है.

1832
लिंकन एक दुकान चलाते हैं—जो फेल हो जाती है.



1837 लिंकन वकील बन जाते हैं.

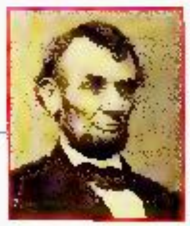


1842 लिंकन और मैरी टॉड शादी करते हैं.

1846
लिंकन प्रतिनिधि सभा के लिए चुने जाते हैं.

1854
लिंकन राष्ट्रपति चुने जाते हैं.

1858
लिंकन सीनेट के लिए चुनाव लड़ते हैं—वे फिर हार जाते हैं!



1860
गृहयुद्ध शुरू होता है.



1861

1863
लिंकन मुक्ति की घोषणा जारी करते हैं.

1865
गृहयुद्ध समाप्त होता है. लिंकन की हत्या कर दी जाती है.


दास और उनका केबिन

क्या लिंकन हमेशा से गुलामी के विरोधी थे?

लिंकन को गुलामी गलत लगती थी, लेकिन उन्हें यह भी लगता था कि गुलामी अपने आप खत्म हो जाएगी. फिर 1854 के कंसास-नेब्रास्का अधिनियम ने नए राज्यों को गुलामी की अनुमति देने का एक विकल्प दिया. लिंकन उसे बर्दाश्त नहीं कर सके.



अमेरिका का नक्शा, 1861



बिना दाढ़ी वाले लिंकन

क्या लिंकन को अपने रूप-रंग की परवाह थी?

ज़्यादा नहीं. उन्होंने एक बार कहा था, "अगर मेरा कोई और चेहरा होता, तो क्या आपको लगता है कि मैं यही चेहरा पहनता?"

गृहयुद्ध की शुरुआत कैसे हुई?

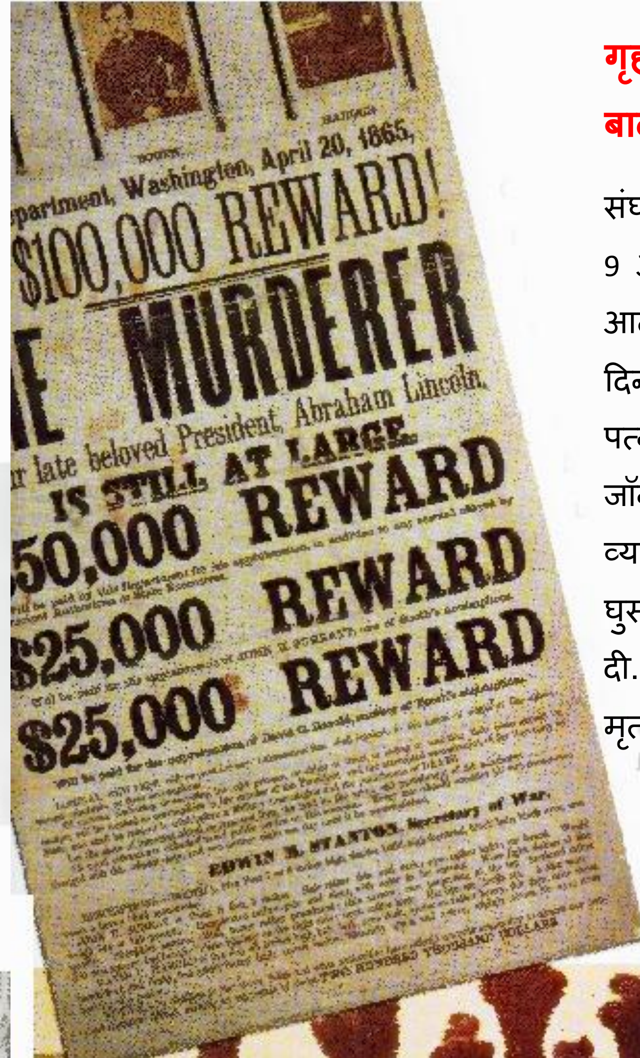
लिंकन के चुनाव के बाद, सात दक्षिणी राज्यों ने संघ छोड़ दिया और एक नया देश बनाया—जिसमें गुलामी थी. उन्होंने इसे कॉन्फेडरेट स्टेट्स ऑफ अमेरिका कहा. बाद में चार और दक्षिणी राज्य इसमें शामिल हो गए. संघ का अपना राष्ट्रपति था. अप्रैल में, उत्तरी राज्य युद्ध में उतरे ... शुरुआत में देश को एकजुट करने के लिए. बाद में लिंकन ने दासों को मुक्त कराने के लिए काम किया.



संघ के राष्ट्रपति: जेफरसन डेविस



राष्ट्रपति लिंकन अपने जनरलों से मिलते हुए



गृहयुद्ध समाप्त होने के बाद क्या हुआ?

संघ के जनरल रॉबर्ट ई. ली ने 9 अप्रैल, 1865 को आत्मसमर्पण कर दिया. पाँच दिन बाद, लिंकन और उनकी पत्नी एक नाटक देखने गए. जॉन विल्क्स बूथ नाम का एक व्यक्ति राष्ट्रपति के बॉक्स में घुसा और उसने उन्हें गोली मार दी. अगले दिन लिंकन की मृत्यु हो गई.

जॉन विल्क्स बूथ के लिए वांटेड पोस्टर



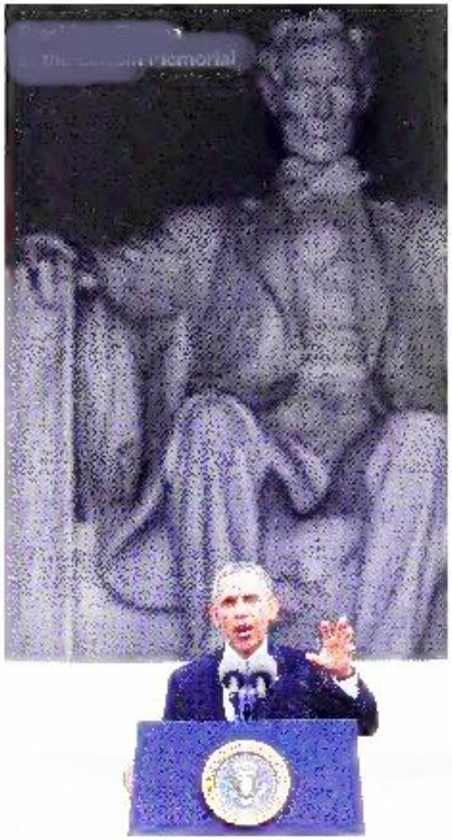
लिंकन के शववाहन को छह काले घोड़े खींच रहे थे.

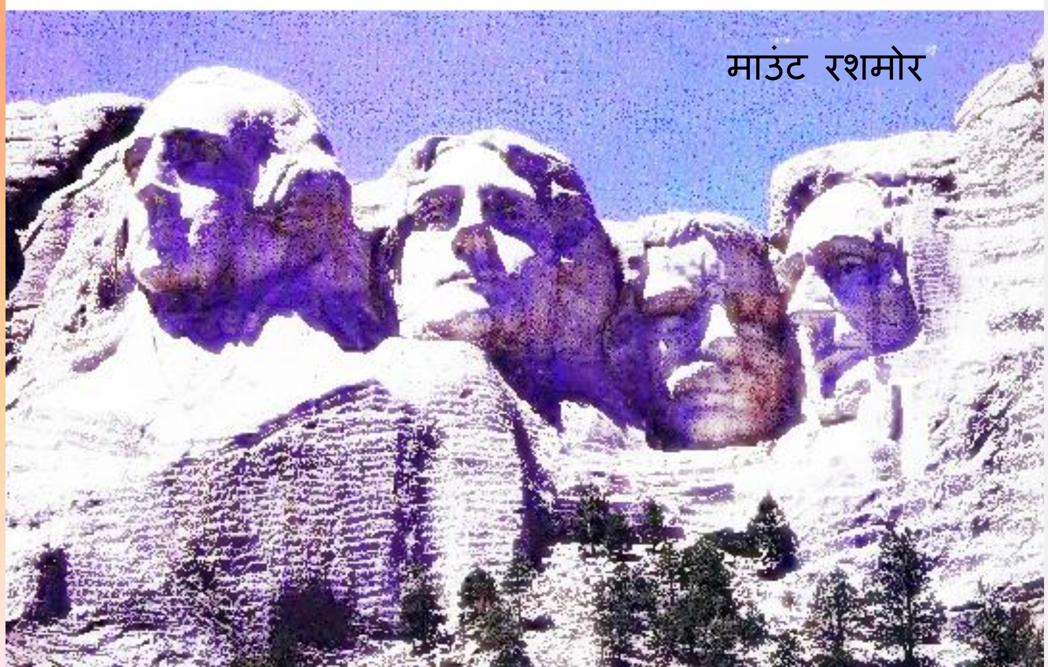


आज लिंकन को कैसे याद किया जाता है?

लिंकन और उनका रूप-रंग रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा हैं. उनका चेहरा एक पैसे और पाँच डॉलर के नोट पर अंकित है. लेकिन उनकी असली विरासत आज़ादी है. उन्होंने डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर और राष्ट्रपति ओबामा जैसे लोगों के लिए देश के नेता बनने का रास्ता खोला.

लिंकन स्मारक पर राष्ट्रपति ओबामा





माउंट रशमोर

अब्राहम लिंकन एक ऐसे राष्ट्रपति थे जिन्होंने अमेरिका को एकजुट करने के लिए काम किया. यह जीवनी नए पाठकों को इस महान व्यक्ति के जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों से परिचित कराती है.



इसमें एक समयरेखा और ऐतिहासिक तस्वीरें शामिल हैं.